अमर उजाला

कलाम यूनिवर्सिटी में शुरू होंगे 53 फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम

विद्यार्थियों के कॅरिअर के मुताबिक पाठ्यक्रम में किए जाएंगे बदलाव

प्रगति मिश्रा

नोएडा। नए साल में एपीजे अब्दुल कलाम विवि विद्यार्थियों के लिए नई सौगात लेकर आ रहा है। कॉलेज प्लेसमेंट को बढ़ावा देने के लिए विवि कई प्रयोग पर विचार कर रहा है। इनमें फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, इंक्युबेशन एंड रिसर्च सेंटर का निर्माण, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कक्षाएं और पाठ्यक्रम में परिवर्तन जैसी कई योजनाएं शामिल हैं। कुल 53 एफडीपी कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे, जिनमें नोएडा के कॉलेज भी हिस्सा लेंगे।

सेक्टर-62 जेएसएस कॉलेज में नेक्सट जनरेशन वायरलेस सिस्टम एंड स्टैंडर्ड एफडीपी प्रोग्राम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य विवि फैकल्टी की कक्षाएं प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। एक एफडीपी कार्यक्रम 30 घंटे का होगा। एफडीपी कार्यक्रम की लागत करीब 1.50 लाख होगी। छात्र जनवरी से लखनऊ और विदेश के अध्यापकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कक्षा ले सकेंगे। इस व्यवस्था का लाभ उठाने के लिए निजी कॉलेजों में अलग से क्लासरूम बनाया जायेगा। अभी तक कुछ कोर्सों के छात्र ऑनलाइन से बाहरी प्रोफेसरों की मदद से क्लास करते थे। लेकिन इसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का विकल्प नहीं मिलता था।

बीएड पाठ्यक्रम में होगा बदलाव

विवि छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा देने के लिए पाठ्यक्रम में बदलाव पर विचार कर रहा है। अगले सत्र में बीएड पाठ्यक्रम में बदलाव किया जाएगा। अन्य विषयों पर भी विचार किया जा रहा है। इंडस्ट्री के एक्सपर्ट के साथ बातचीत में यह निष्कर्ष सामने आया था कि वर्तमान में कई डिग्रीधारक रोजगारपरक शिक्षा प्राप्त नहीं करते हैं। सेक्टर-62 में इंक्युबेशन एंड रिसर्च सेंटर के निर्माण की तैयारी है।

औद्योगिक समस्याओं पर चर्चा कर सकेंगे स्टूडेंट्स

इंक्युबेशन सेंटर में छात्रों को औद्योगिक घरानों से जुड़े लोगों से बात करने का सीधा अवसर प्रदान किया जाएगा। छात्रों को बिजनेस वर्ल्ड के लोगों द्वारा गेस्ट लेक्चर अटेंड करने का मौका मिलेगा। छात्र उद्योग स्थापना में आने वाली समस्याओं और उनके समाधानों पर चर्चा कर सकेंगे। एफडीपी प्रोग्राम संचालित किए जाएंगे। कार्यक्रम की वीडियो रिकार्डिंग भी की जाएगी। - डॉ. विनय कुमार पाठक, कुलपति, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय

सेना भर्ती की लिखित परीक्षा का रिजल्ट अब ऑनलाइन

रोहतक (विनीत तोमर)। अब अभ्यर्थी सेना भर्ती की लिखित परीक्षा का परिणाम ऑनलाइन ही देख सकेंगे। परीक्षा परिणाम जानने के लिए उन्हें सेना मुख्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। वह घर बैठे अपने पास या फेल की जानकारी पा सकेंगे। इसके लिए सेना मुख्यालय ने देशभर में पहली बार लिखित परीक्षा का परिणाम ऑनलाइन किया है। अधिकारियों को मानना है कि इससे एक तो अभ्यर्थियों को दौड़भाग नहीं करनी पड़ेगी, दूसरा भर्ती के नाम पर रुपये ठगने वाले दलालों पर शिकंजा कसेगा। दरअसल, सेना भर्ती में पारदर्शिता के लिए मुख्यालय के तरफ से कई बदलाव किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले भर्ती के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का सिस्टम शुरू किया गया था। इसके तहत अभ्यर्थियों को खुली भर्ती में जाने से पहले सेना की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करना था।

जेईई मेंस की ऑनलाइन परीक्षा देने पर शुल्क में 500 रुपये की छूट

देहरादून (ब्यूरो)। इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए होने वाली ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई) मेंस की परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से देने वाले छात्रों को ज्यादा लाभ मिलेगा। ऑफलाइन के मुकाबले ऑनलाइन मोड में परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को शुल्क में 500 रुपये की छूट मिलेगी। एक बार एक सवाल का जवाब देने के बाद ऑनलाइन मोड में उसमें परिवर्तन भी किया जा सकता है, जबकि ऑफलाइन में यह सुविधा नहीं होगी। ऑनलाइन परीक्षा के दौरान कंप्यूटर स्क्रीन पर ही हल किए गए सवालों की संख्या दिखाई देगी। सीबीएसई की ओर से जारी सूचना के मुताबिक ऑनलाइन परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को उनका प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिका ईमेल से देने की व्यवस्था दी है। ऑफलाइन परीक्षा देने वाले छात्रों को ओएमआर आंसर शीट की कार्बन कॉपी मिलेगी। ऑनलाइन मोड वाले अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र ऑनलाइन ही मिलना है। उनकी उत्तर पुस्तिका भी ऑनलाइन ही होगी।